खास खबरें

महिला ने हटाया कारपेट, तो दिखा खुफिया दरवाज़ा, नीचे उतरी, तो कमरे में मिला इतना कुछ

अमेरिकी महिला ने नया घर लिया, जहां उसको ऐसा कुछ दिखा, जिसकी उसने उम्मीद नहीं की थी। एक साल रहने के बाद महिला को फर्श के नीचे एक खूफिया कमरा खोजा। जब उसने नीचे जाकर देखा तो वह दंग रह गई। इस घटना पर उन्होंने वीडियो रिकॉर्ड किया और वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर शेयर किया, जहां इस वीडियो के 13 मिलियन से ज्यादा व्यूज हो चुके हैं।

महिला ने कारपेट हटाया तो उन्हें वहां एक दरवाजा नजर आया, जो नीचे की तरफ था। जैसे ही उन्होंने उठाया, तो वहां सीढ़ियां लगी हुई थीं। खौफनाक खोज ने यूजर्स को हैरान कर दिया। वीडियो में, ने बताया कि उसने एक साल पहले एक कपल से घर खरीदा था लेकिन अंदर जाने से पहले कभी भी उस जगह का निरीक्षण नहीं किया।

उन्होंने बताया, हमने घर बहुत जल्दी में शिफ्ट किया था। जिस कपल से हमने यह घर लिया, वो जल्दी यहां से जाना चाहते थे। उन्होंने हमें सस्ते में घर बेच दिया था।

वीडियो की शुरुआत में एक दरवाजा दिखता है। जिसे खोलने पर तहखाने की तरफ रास्ता जाता दिखता है। महिला ने लिखा, जब आप अचानक कारपेट को खींचे और नीचे बेसमेंट दिख जाए और इसकी आपको कोई उम्मीद न हो।

महिला ने कहा कि वह एक गुनगुना शोर सुनने के बाद सीढ़ियों से नीचे जाने से पहले अनिच्छुक थी। फॉलो-अप वीडियो में, महिला ने कहा कि उसने तहखाने में जाने की हिम्मत की। एक वीडियो में उसने कहा: हम वहां जाने वाले थे और मैं यह फिल्म कर रही थी, लेकिन नीचे से आवाज आ रही थी, जिससे मेरे दोस्त घबरा गए और घर जाने को कहने लगे। आखिरकार, वो नीचे गईं और पाया कि कमरे में कुछ पुराना फर्नीचर और कचरा पड़ा हुआ था

जंगली सूअर के घर में घुसकर शेरनी ने कुछ इस अंदाज में किया शिकार, दंग रह जाएंगे आप ..!

शेर को जंगल का राजा कहा जाता है, इसकी ताकत के आगे सारा जंगल त्राहीमाम-त्राहीमाम करता है। ये अपनी खास हंटिंग स्किल्स के कारण सारे जंगल पर राज करता है। इनसे जुड़े वीडियोज सोशल मीडिया पर भी लोग काफी पंसद करते हैं। एक ऐसा ही हैरान करने वाला वीडियो इन दिनो इंटरनेट की दुनिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में शेरनियों का एक झुंड जंगली सूअर पर हमला करता है। इस क्लिप को लेकर खास बात ये है कि एक शेरनी जंगली सूअर के घर में घुस जाती है और उसे खींचकर बाहर लाती है, जिसके वहां मौजूद बाकी शेरनियां उस शिकार का मजे से लुत्फ उठाती है।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि शेरनी के डर के कारण एक एक जंगली सूअर अपने घर में छुपा होता है और बाकी शेरनियां वहां खड़े होकर उसके बाहार आने का इंताजार कर रही होती हैं। तभी उनमे से एक शेरनी उसके घर में घुसती है और सूअर को खींचकर घर से बाहर निकालती है और उसे लेकर दूर भागने लगती है। दूसरी शेरनियां भी उसे अपना शिकार समझकर उसके पीछे-पीछे भागना शुरू कर देती हैं। हालांकि सूअर भी अपनी जान बचाने की काफी कोशिश करता रहा, लेकिन वह खुद को बचा नहीं पाया और जंगली सूअर दम तोड़ देता है।

इस वीडियो को देखने के बाद हर कोई हैरान है, क्योंकि शेरनियों ने जंगली सूअर का शिकार करने का बेहद ही अलग तरीका अपनाया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 59 सेकेंड के इस वीडियो को लाइफ एंड नेचर नाम के ट्विटर अकाउंट से शेयर किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा गया है- जंगली सूअर के घर के अंदर शेरनी का हमला। शेरनियों का हमला करने का ये तरीका देख लोग हैरान हैं।

ये हैं भारत की सबसे पावरफुल महिलाएं जिन्होंने बदल दिया इतिहास

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, ताकि महिलाओं का सम्मान किया जा सके, महिलाओं को उनके हक दिलाए जा सके। महिलाओं को बताया जा सके कि उन्हें भी इस समाज में बराबरी का हक मिल सकता है। वहीं, बात जब हक की आती है, तो महिलाएं अपने हक की लड़ाईयां तो सदियों से लड़ती आ रही हैं। तो चलिए आपको भारत की सबसे पावरफुल महिलाओं के बारे में बताते हैं, जिन्होंने इतिहास पूरी तरह बदल दिया। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में।

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1935 को वाराणसी में हुआ था। उनका वास्ताविक नाम मणिकार्णिका था। उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध ऐसा संग्राम छेढ़ा था कि अंग्रेज भी उनकी वीरता देखकर हैरान रह गए थे। उन्होंने आखिरी दम तक अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी जंग जारी रखी। देश को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने के लिए उन्होंने अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया। अंग्रेजों से लोहा लेते हुए महज 23 साल की उम्र में ही लक्ष्मीबाई ने अपने प्राणों की आहुति दे दी और आज भी उनके इस बलिदान के लिए पूरा देश उन्हें याद करता है।

सरोजिनी नायडू

13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में जन्मी सरोजिनी नायडू एक कवयित्री थी और बंगला में लिखती थी। महज 14 साल की उम्र में ही उन्होंने सभी अंग्रेजी कवियों की रचनाओं का अध्ययन कर लिया था। भारतीय समाज में फैली कुरीतियों के लिए उन्होंने भारतीय महिलाओं को जागृत किया। जलियांवाला बाग हत्याकांड से क्षुब्ध होकर उन्होंने 1908 में मिला कैसर-ए-हिन्द सम्मान लौटा दिया था। वे उत्तर प्रदेश की पहली महिला राज्यपान भी बनीं।

इंदिरा गांधी

भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था और वे बचपन से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहीं। वहीं, बचपन में इंदिरा गांधी ने 'बाल चरखा संघ' की स्थापना की और असहयोग आंदोलन के दौरान कांग्रेस पार्टी की सहायता के लिए 1930 में बच्चों के सहयोग से 'वानर सेना' का निर्माण किया। सितम्बर 1942 में उन्हें जेल में डाल दिया गया। 1947 में उन्होंने महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में दिल्ली के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में कार्य किया। वे अगस्त 1964 से लेकर फरवरी 1967 तक राज्य सभा और फिर चौथे, पांचवें और छठे सत्र में लोकसभा की सदस्य रह थीं। इसके बाद वो लगातार आगे बढती गई।

कल्पना चावला

आज भी देश की बेटी कल्पना चावला पर गर्व करता है। घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर कल्पना ने चांद तक सफर तय किया था। कल्पाना चावला अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाली दूसरी भारतीय महिला थीं। महज 35 साल की उम्र में उन्होंने पृथ्वी की 252 परीक्रमाएं लगाकर देश ही नहीं बल्कि दुनिया को भी हैरान कर दिया था। उन्होंने छह अंतरिक्ष यात्रियों साथ स्पेस शटल कोलंबिया स्त्रस-87 से उड़ान भरी। अपने पहले मिशन के दौरान कल्पना ने 1.04 करोड़ मील सफर तय करते हुए करीब 372 घंटे अंतरिक्ष में बिताए थे। वहीं, जब 1 फरवरी 2003 को वो धरती पर लौट रही थी, लेकिन तभी खबर आई कि इस यान का संपर्क टूट गया है। इसके बाद कल्पना चावला की मौत की खबर ही आई।

मदर टेरेसा

एक ऐसी महिला जिसने हमेशा शांति का प्रचार किया। कोलकाता में रहकर एक आश्रम में उन्होंने बेसहारा लोगों की मदद की, उनकी चिकित्सा की। एक बार जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा था कि आपकी भारत को लेकर क्या राय है? इस पर मदर टेरेसा ने कहा कि मैं सभी धर्म के लोगों से प्रेम करती हूं। मदर टेरेसा को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न पुरस्कार भी प्रदान किया गया। उन्होंने बिना किसी इच्छा भाव के हमेशा लोगों की सेवा की और उनके दुखों को हमेशा ही अपना माना।

महिलाओं के सम्मान में समर्पित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इन देशों में होता है अवकाश

* अफगानिस्तान
* अंगोला
* आर्मेनिया
* अजरबाइजान
* बेलारूस
* बुर्किना फासो
* कंबोडिया
* चीन (केवल महिलाओं के लिए अवकाश)
* क्यूबा,
* जॉर्जिया,
* गिन्नी-बिसाउ,
* इरीट्रिया,
* कजाखिस्तान,
* किर्गिस्तान,

लाओस जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा मकदूनिया (केवल महिलाओं के लिए अवकाश), मेडागास्कर (केवल महिलाओं के लिए अवकाश), माल्डोवा, मंगोलिया, नेपाल (केवल महिलाओं के लिए अवकाश), रूस, ताजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, यूगांडा, यूक्रेन, वियतनाम और जाम्बिया में भी इस दिन आधिकारिक अवकाश होता है।

पेड़ के नीचे बैठकर पढ़े, आज 9वें सबसे अमीर भारतीय हैं जय चौधरी

साइबर सुरक्षा कंपनी के जय चौधरी का जन्म हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के पनोह गांव में हुआ था। लेकिन उनके सपनों की उड़ान उन्हें अमेरिका ले गई। 1980 के दौर में मात्र 200 डॉलर के साथ वह अमेरिका पहुंचे थे।

को वर्ष 2000 में दिए एक इंटरव्यू में जय चौधरी ने कहा था कि उनके बचपन में उनके गांव में ना तो बिजली थी और ना ही पानी की व्यवस्था थी। अपने हाईस्कूल की क्लास लेने पड़ोस के धूसरा गांव तक उन्हें 4 किलोमीटर चल कर जाना होता था। इतना ही नहीं अपने बचपन में वह पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ा करते थे।

अब अमेरिकी नागरिक बन चुके 61 वर्षीय जय चौधरी ने की शुरुआत से पहले 1996 में ही अपना पहला स्टार्टअप खोला था। इससे पहले वह और जैसी कंपनियों में काम कर चुके थे। हाल में 2008 में उन्होंने खोली। सबसे अमीर भारतीयों की सूची में जय चौधरी ने 528 स्थान की छलांग लगाई है। वह दुनिया के टॉप-10 अमीर भारतीयों में शामिल हैं। उनकी कुल संपत्ति 13 अरब डॉलर यानी 946.75 अरब रुपये हो चुकी है।

इस बच्चे ने कमाए लाखों, जानें क्या है मामला ..?

हम सभी जब 8 साल के थे तो आमतौर पर यही सोचा करते थे कि कैसे स्कूल से छुट्टी मारी जाए, कैसे बुखार के बहाने को कामयाब बनाया जाए। लेकिन आज एक 8 साल के बच्चे की कहानी जानकर खुद पर गुस्सा आ रहा है, क्योंकि अमेरिका का एक बच्चा अपने दम पर लखपति बना गया। मामला अमेरिका में रहने वाले जोसेफ डेन का है। जो गेम खेलते-खेलते लखपति बन गया। आपको जानकार हैरानी होगी कि वो दुनिया का सबसे छोटी उम्र का बालक है जो गेम खेलता है। हाल ही में उसे हाई स्पीड कंप्यूटर मिला है और उसे 24 लाख रुपए का साइनिंग बोनस मिला है।

जिस समय हम लोग कोंटरा और मारियो जैसा गेम खेलते थे उसी उम्र में इस बच्चे ने गेम खेलना शुरू किया। कहने

का मतलब है महज 4 साल की उम्र से इस गेम को खेलना शुरू कर दिया, जिस कारण उसकी गेंमिग स्किल्स काफी इंप्रूव हो गई। जिस कारण वो अलग-अलग उम्र के बच्चों के साथ ये गेम खेला करता था।

बीबीसी में छपी खबर के अनुसार जोसेफ के पेरेंट्स को इस बात से कोई परेशानी नहीं होती थी कि उनका बेटा ये गेम खेल रहा है। उनकी मां का कहना कि हमें हमने ये गेम देखा है, मुझे नहीं लगता कि हम कुछ बुरा कर रहे हैं। स्कूल से आने के बाद वो उसे दो घंटे गेम खेलने देती हैं। वीकेंड में थोड़ा ज्यादा समय वो गेम खेलते हैं। उनसे पूछकर ही गेम खेलता है।

बनना चाहता है प्रोफेशनल गेमर- जोसेफ बड़ा होकर डॉक्टर या इंजीनियर नहीं, बल्कि एक प्रोफेशनल गेमर ही बनना चाहता हैं। जोसेफ द्वारा कमाए गए इन पैसों को उनके माता-पिता ने उनकी सेविंग्स में जमा करवा दिया है। इन पैसों को लेकर उनके पेरेंट्स का कहना है कि ये रकम उन्होंने जोसेफ के लिए ही रखी है, ताकि वह उन पैसों से अपना भविष्य सवार सके।

आओ तुम्हें चांद पे ले जाएं, जापानी अरबपति की एलन मास्क के साथ है तैयारी, अब बस चाहिए 8 हमसफर

जापान के अरबपति यासुका मीजावा ने चांद की सैर पर अपने साथ चलने के लिए आठ लोगों की खोज शुरू कर दी है। इस पहली प्राइवेट पैसेंजर्स ट्रिप पर इन लोगों को कंपनी सपकेक्स लेकर जाएगी। पहले यासुका का प्लान था कि 2023 में हफ्ते भर के इस मिशन पर कलाकारों को ले जाया जाएगा। अब दुनियाभर से लोगों को इससे जुड़ने का मौका दिया जाएगा। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया का पहला चरण 14 मार्च तक होगा। इसमें लोगों का मेडिकल चेकअप होगा और फिर मीजावा के साथ इंटरव्यू।

यासुका सपकेक्स के नेक्स-जेनरेशन रीयूजेबल लॉन्च वीइकल स्टारशिप के साथ इस ट्रिप पर जाने का पूरा खर्चा उठाएंगे। पिछले साल नवंबर में चार ऐस्ट्रोनॉट्स को 9 रॉकेट से इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन के लिए लॉन्च कर चुकी है। स्टारशिप के दो प्रोटोटाइप टेस्टिंग के दौरान विस्फोट के शिकार हो गए थे जिसके बाद कई तरह के रिस्क्स को लेकर आशंकाएं पैदा हो गई थीं। हालांकि, यासुका को मस्क पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा है, मस्क कहते हैं कि कोई

परेशानी नहीं है और मैं उनका भरोसा करता हूं। उन्होंने कहा कि पहले ऐसा लगा था कि मिशन में देरी होगी लेकिन हर चीज समय पर है।

मस्क की तरह सोशल मीडिया के चहेते- मस्क और यासुका दोनों की भारी सोशल मीडिया फॉलोइंग है और यासुका का ट्विटर अकाउंट पर जापान में सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनकी तैयारी है कि मिशन की तैयारियां उनके यूट्यूब चैनल पर दिखाई जाएं। वह अक्सर यहां हवाई में गोल्फ खेलते, कभी रेसिंग सुपरकार चलाते वीडियोज में दिखते हैं। पिछले साल ही उन्होंने एक डॉक्युमेंट्री भी लॉन्च की थी जिसमें वह ट्रिप के लिए नई गर्लफ्रेंड खोज रहे थे। बाद में उन्होंने यह आइडिया ड्रॉप कर दिया।

कर रहे हैं क्या तैयारी- यासुका ट्रेनिंग नहीं कर रहे हैं लेकिन ऐल्कोहॉल पर नियंत्रण कर रहे हैं और एक्सरसाइज भी कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रेनिंग में कुछ महीने लग सकते हैं। उनका कहना है कि वह सिर्फ मानसिक तैयारी कर रहे हैं। यासुका ने बताया है कि धरती को देखना और चांद का दूर का हिस्सा देखना ट्रिप की हाइलाइट होंगी। उन्होंने यह तो नहीं बताया है कि मिशन पर कितना खर्च आएगा लेकिन कहा कि यह उनकी खरीदी 11 करोड़ डॉलर की जीन-माइकल बास्क्वेट पेंटिंग से यकीनन ज्यादा है।

आपका राशिफल 08 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक 3 6 9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

स्पेशल खबर.. *नॉर्थ कोरिया में नीली जींस नहीं पहन सकते हैं ....*

स्वीडन में पहली बार गिरा उल्कापिंड, वैज्ञानिकों को मिली ये कीमती धातु

वैज्ञानिकों ने पिछले साल नवंबर में स्वीडन में गिरे उल्कापिंड की जांच के बाद बताया है कि अंतरिक्ष से आए इस पत्थर में लोहा ही लोहा है। स्वीडन के उपासला गांव में मिले इस उल्कापिंड पत्थर में भरपूर मात्रा में लोहा है। स्वीडिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री ने इस बात का खुलासा किया है। साथ ही ये भी बताया कि ये स्वीडन में कैसे गिरा यह कितने बड़े उल्कापिंड का हिस्सा रहा होगा

बड़े स्पेस रॉक का हिस्सा- स्वीडिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के मुताबिक इस ढेलेदार उल्कापिंड का आकार पाव रोटी की तरह है। इसका वजन 31 पाउंड (14 किलोग्राम) है। आपको बता दें कि ये पहले एक बड़े स्पेस रॉक का हिस्सा था। वैज्ञानिकों के अनुसार ये जिस पत्थर से टूटकर गिरा है, उसका वजन लगभग 9 टन था। और इसने 7 नवम्बर को उपासला के ऊपर आसमानी रोशनी की थी।

स्वीडिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के वैज्ञानिकों ने उल्कापिंड के गिरने की जगह को खोजा। वहां उल्कापिंड के कई छोटे-छोटे टुकड़े मिले। म्यूजियम के अनुसार उल्कापिंड के ये छोटे टुकड़े ओडेलन गांव के पास पाए गए। ये टुकड़े 0।1 इंच (3 मिलीमीटर) लंबे थे।

उल्कापिंड का टुकड़ा- स्टॉकहोम के जियोलॉजिस्ट एंड्रियास फोर्सबर्ग और एंडर्स जब साइट पर वापस आए तो उन्हें उल्कापिंड का बहुत बड़ा टुकड़ा मिला। ये ऐसा था जैसे किसी बोल्डर को तोड़ दिया गया हो। ये टुकड़ा

आशिंक रूप से काई में दबा हुआ था। टक्कर होने के कारण इसकी एक साइड चपटी और दरार भरी हुई थी। इसके चारों तरफ छोटे- छोटे से छिद्र थे। लोहे के उल्कापिंड में इस तरह की आकृति बनना बहुत सामान्य है। म्यूजियम के अनुसार इस तरह के उल्कापिंड के पत्थर तब बनते है जब स्पेस से आया हुआ पत्थर वायुमंडल से गुजरते हुए पिघल जाते हैं। स्वीडिश म्यूजियम हिस्ट्री के क्यूरेटर डेन ने एक कहा, ये हमारे देश में गिरे हुए नए उल्कापिंड का पहला उदाहरण है। ये पहली बार है जब स्वीडन ने 66 वर्षों में फायरबॉल से जुड़े कोई भी उल्कापिंड प्राप्त किए हो। अब हम जानते है कि ये लोहे का उल्कापिंड है तो अब इसके गिरने के सिमुलेशन को ठीक कर सकते है।